

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

## ■ निर्भीक राजस्थान

नई दिल्ली/करौली, 03 जून। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर



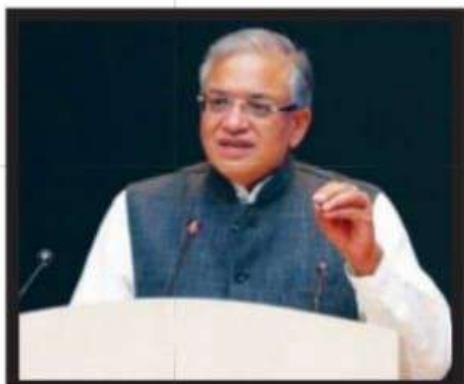
रहेगा। हालाँकि, बोटर टर्नआउट जाएगी। मतदान प्रतिशत के जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत (टज) ऐप को अपडेट करने की अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा प्रक्रिया कृं जो अब तक एक में प्रकाशित किए जाते रहेंगे। मैनुअली एकत्र किए जाते थे और सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या रूप में विकसित हुई थी को अब के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः मतदान केंद्र छोड़ने से पहले म्बछम्ज् रिटर्निंग अधिकारियों तक पहुँचाया संरचित किया जा रहा है, ताकि ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे जाता था। यह जानकारी हर दो जानकारी प्रदान की जा सके। यह 1961 के निर्वाचन नियमों के तहत मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों देरी कम होगी और मतदान के तुरंत घंटे में एकत्रित कर टज् ऐप पर नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल बनाए गए चुनाव संचालन नियम, की समय पर जानकारी दी जा सके। बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित अपलोड की जाती थी। मतदान रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगाने वाली नियम 49 के अंतर्गत, पीठासीन इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान प्रतिशत ऐप पर उपलब्ध हो प्रतिशत के रुझान अवसर घंटों देरी को काफी हद तक कम करती अधिकारी मतदान समाप्ति के समय मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी सकेगा, बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी बाद अपडेट होते थे, क्योंकि है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले संचार को समयबद्ध रूप से उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान में ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े दिन तक पहुँचते थे, जिससे 4-5 सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के एंजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और घंटे या उससे अधिक की देरी होती अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन का लोखा-जोखा प्रदान करने वाले में देरी को कम किया जा सकेगा। कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो थी और इससे कई बार भ्रम की आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार विभिन्न प्रपत्र 17व् को सौंपने के लिए बाध्य यह जानकारी स्वचालित रूप से जाएगी। यह उन्नत टज् ऐप बिहार स्थिति बनती थी। अब इससे अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं। हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की चुनावों से पहले अभिन्न अंग बन निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

खबरों की दुनिया

टोंक। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए चुनाव संचालन नियम,



नियम 49 एस के अंतर्गत, पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र 17 सी को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा।

हालाँकि, वोटर टर्नआउट ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया जो अब

तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है, ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके।

इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में ईसीआइ नेट ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे।

मतदान प्रतिशत, रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने की पहल

# तुरंत मिलेंगे मतदान के बाद के आंकड़े, नहीं करना होगा इंतजार

**पत्रिका** पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

बारां, भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरूआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगाने वाली देरी को काफ़ी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समर्याद रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिक्रिया के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री जनेश

कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए “चुनाव संचालन नियम”, नियम 49 के अंतर्गत, पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान घटेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रथम 17 को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा।

हालांकि, बोटर टर्नआउट ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया कृंजो अब तक एक सहायक, गैर-



वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी। को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकता है। यह जानकारी समय पर जानकारी दी जा सकती है। इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववर्त

मतदान दिवस पर हर दो घंटे में ईसीआईनेट ऐप पर सीधे मतदान उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकता है। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी।

हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे। महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत वीटीआर ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा। बशर्ते नेटवर्क करेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहां मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध है, वहां आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और करेक्टिविटी मिलते ही सिक्क हो जाएंगे।

यह उन्नत वीटीआर ऐप विहार चुनावों से पहले ईसीआईनेट का

अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअली एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एमएमएस या मैसेजिंग ऐप के माध्यम से रिटिनिंग अधिकारियों तक पहुंचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर वीटीआर ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या आले दिन तक पहुंचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक बींदेरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

बारा, 03 जून (हाड़ीती संचार)।

भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों द्वारा लगने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि 1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए ऊनुनाव संचालन नियम, नियम 49 के अंतर्गत, पीटासीन अधिकारी मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एंजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का सेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र 17 को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा। हालांकि, बोटर टर्नआउट ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया कृंजी अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी। को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा

है, ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके। इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीटासीन अधिकारी अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में ईसीआईनेट ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे।

महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीटासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत बीटीआर ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा। बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिक्क हो जाएंगे।

यह उन्नत बीटीआर ऐप बिहार चुनावों से पहले ईसी आईनेट का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअल एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटर्निंग



अधिकारियों तक पहुंचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर बीटीआर ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुंचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

नई दिल्ली/श्रीगंगानगर।

भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री जनेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए 'चुनाव संचालन नियम', नियम 49एस के अंतर्गत पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्ति

के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र 17 सी को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा।

हालाँकि, वोटर टर्नआउट(बीटीआर) एप को अपडेट करने

की प्रक्रिया- जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी - को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके।

इस नई पहल के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे



में ईसीआईएनईटी एप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे।

महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ईसीआईएनईटी एप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत बीटीआर एप पर उपलब्ध हो सकेगा- बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ

आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे।

यह उन्नत बीटीआर एप बिहार चुनावों से पहले ईसीआईएनईटी का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअली एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटार्निंग अधिकारियों तक पहुँचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर बीटीआर एप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुँचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

नई दिल्ली/श्रीगंगानगरा। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं। 1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए 'चुनाव संचालन नियम', नियम 49एस के अंतर्गत पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र 17 सी को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा। हालाँकि, वोटर

टर्नआउट(वीटीआर) ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया- जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी - को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके। इस नई पहल के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में इसीआईएनईटी ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे। महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले इसीआईएनईटी ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार

अनुमानित मतदान प्रतिशत वीटीआर ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा- बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहां मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे। यह उन्नत वीटीआर ऐप बिहार चुनावों से पहले इसीआईएनईटी का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअली एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटर्निंग अधिकारियों तक पहुँचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर वीटीआर ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुंचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उल्लंघन करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

नई दिल्ली/श्रीगंगानगर। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगाने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए 'चुनाव संचालन नियम', नियम 49एस के अंतर्गत पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र 17 सी को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा।

हालाँकि, वोटर टर्नआउट(वीटीआर) ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया- जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी - को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है



ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके।

इस नई पहल के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में ईसीआईएनईटी ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत्

हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे।

महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ईसीआईएनईटी ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत वीटीआर ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा- बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे।

यह उन्नत वीटीआर ऐप बिहार चुनावों से पहले ईसीआईएनईटी का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअली एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटर्निंग अधिकारियों तक पहुँचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर वीटीआर ऐप पर अपलोड की जाती थी।

मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुँचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

नई दिल्ली/श्रीगंगानगर, ३ जून। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं। 1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए 'चुनाव संचालन नियम', नियम 49एस के अंतर्गत पीठासीन अधिकारी मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र १७ सी को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा। हालाँकि, वोटर टर्नआउट(वीटीआर) ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया- जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी - को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके। इस नई पहल के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में इसीआईएनईटी ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा।

यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे।



महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले इसीआईएनईटी ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत वीटीआर ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा।

बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे। यह उन्नत वीटीआर ऐप बिहार चुनावों से पहले इसीआईएनईटी का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंक? सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअली एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटर्निंग अधिकारियों तक पहुँचाया जाता था।

**बदलाव** • मतदान प्रतिशत 4-5 घंटे देरी से अपडेट होने से होती थी गफलत

# अब वोटिंग के समय हर दो घंटे में ऐप पर अपडेट होगा मतदान का डेटा

नई दिल्ली | चुनाव के दौरान मतदान के आंकड़े जारी होने में देरी से उठने वाले सवालों से निपटने के लिए निर्वाचन अयोग ने नया कदम उठाया है। अब वोटिंग के साथ हर दो घंटे में अनुमानित मतदान प्रतिशत अपडेट होगा। अयोग ने कहा, हर मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी हर दो घंटे में नए ECINET एप्लीकेशन पर सीधे मतदान के आंकड़े अपलोड करेंगे। इससे अनुमानित वोटिंग रुझान ऐप में अपडेट करने में लगने वाला समय घटेगा। नई व्यवस्था इस साल प्रस्तावित विहार चुनाव से ही लागू हो जाएगी। आयोग ने मंगलवार को कहा, यह कदम

पुराने मैन्युअल तरीके की तुलना में अधिक तेज और विश्वसनीय है। हर मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारियों के सीधे ऐप में वोटिंग की जानकारी दर्ज करने से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर अपने आप इकट्ठा हो जाएगी। यह तय समय पर ऐप पर अपडेट हो जाएगी। आयोग ने इसे जनता को समय पर सटीक जानकारी देने की दिशा में प्रतिबद्धता का हिस्सा बताया है।

चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एस के के तहत, पीठासीन अधिकारियों को पोलिंग एजेंटों को कुल मतदान का विवरण देने वाला फॉर्म 17सी देना जरूरी है।

**अब तक सेवटर मजिस्ट्रेट  
मैन्युअल तरीके से जुटाते थे डेटा**

अब तक सेवटर अधिकारियों द्वारा हाथ से लिखकर मतदान डेटा जुटाया जाता था। इसके बाद फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप से से रिटार्निंग ऑफिसर (आरओ) को भेजा जाता था। जानकारी हर दो घंटे में जुटाई जाती थी और वोटर टर्नआउट (वीटीआर) ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान घंटों बाद अपडेट होते थे, जो देर रात या अगले दिन आने वाले लिखित रिकॉर्ड पर आधारित होते थे। इससे 4-5 घंटे या अधिक को देरी होती थी। यही कारण है कि कुछ लोगों में गलतफहमियां पैदा होती थीं।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

द्वालामारु न्यूज

नागौर।भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगने वाली देरी को काफी हद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए +चुनाव संचालन नियम+, नियम 49स के अंतर्गत, पीठसीन अधिकारी (PrO) मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए



मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र 17ए को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा।

हालांकि, बोटर टर्नआउट (VTR) ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया – जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी – को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है, ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित

रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके।

इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठसीन अधिकारी (PrO) अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में ECINET ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थित दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे।

महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठसीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ECINET ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत VTR ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा – बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क

अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे।

यह उन्नत VTR ऐप बिहार चुनावों से पहले ECINET का अभिन्न अंग बन जाएगा।

पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअली एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटार्निंग अधिकारियों (ROs) तक पहुँचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर VTR ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुँचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

## मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने के लिए निर्वाचन आयोग की पहल

निजी संचालित  
जोधपुर। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगने वाली देरी को काफी हट तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए ५८ चुनाव संचालन नियमक, नियम ४९ए के अंतर्गत, पीठासीन अधिकारी (कह) मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मर्तों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रपत्र १७ए को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा। हालांकि, बोटर टन्नेआउट (ड्रॉड्ज) ऐप को अपडेट करने



की प्रक्रिया — जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी — को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है, ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके। इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी (कह) अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में शृष्टदृहश्वज्ज ऐप पर आंकड़े

सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले शृष्टदृहश्वज्ज ऐप पर आंकड़े

दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत ड्रॉड्ज ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा — बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे।

यह उन्नत ड्रॉड्ज ऐप विहार चुनावों से पहले शृष्टदृहश्वज्ज का अभिन्न अंग बन जाएगा।

पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअल एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एमएसएस या मैसेजिंग ऐप के माध्यम से रिटार्निंग अधिकारियों (ऋह्य) तक पहुँचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर ड्रॉड्ज ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुँचते थे, जिससे ४३५ घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

(श्रीभूत लहर तरंग नेटवर्क)

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुधारवाला है जो ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा, लगाने वाली देशी को काफी छद्म तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार के सम्बद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त जानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर ऐक्षिकत कर चुके हैं।

1961 के निर्वाचन नियमों के

तहत बनाए गए 'चुनाव संचालन नियम', नियम 49S के अंतर्गत, पीड़ासीन अधिकारी (PrO) मतदान समाप्ति के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपरियत उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मार्गों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्राप्त 17C को सौंपने के लिए वायद है, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहा। हालांकि, बोर्ट टर्नआउट (VTR) ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया - जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी - को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा है, ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित



रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके। इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीड़ासीन अधिकारी (PrO) अब मतदान दिवस पर हाथ दो घंटे में कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। जहाँ ECINET ऐप पर सीधे मतदान संसार में विकसित हुई थी - को अब आंकड़ों के अद्यतन में देशी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र

स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत हाथ दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे। महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीड़ासीन अधिकारी मतदान केंद्रों द्वारा ऐडने से पहले ECINET ऐप पर अपडेट दर्ज करेंगे। इससे देशी काम होगी और मतदान के तुरंत बाद अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अवसर घंटों बाद प्रतिशत के रुझान अवसर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध है, वहाँ पहुंचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देशी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

ECINET का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आकृति सेवर अधिकारीयों द्वारा मैनुअल एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से रिटार्निंग अधिकारियों (ROs) तक पहुंचाया जाता था। यह जानकारी हाथ दो घंटे में एकत्रित कर द्वृत्तिकरण पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अवसर घंटों बाद प्रतिशत के रुझान अवसर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध है, वहाँ पहुंचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देशी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।

# मतदान प्रतिशत रिपोर्टिंग प्रक्रिया को उन्नत करने हेतु निर्वाचन आयोग की पहल

रानीवाड़ा से प्रवीण राठौड़ की रिपोर्ट

जालोर। भारत निर्वाचन आयोग अब एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर रहा है ताकि मतदान के अनुमानित प्रतिशत रुझानों की समय पर जानकारी प्रदान की जा सके। यह नई प्रक्रिया पूर्व की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों के द्वारा लगाने वाली देरी को काफी हृद तक कम करती है। यह पहल आयोग की सार्वजनिक संचार को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार विभिन्न अवसरों पर रेखांकित कर चुके हैं। 1961 के निर्वाचन नियमों के तहत बनाए गए "चुनाव संचालन नियम", नियम 49<sup>स्ट</sup> के अंतर्गत, पीठासीन अधिकारी (PRO) मतदान समाप्ति



के समय प्रत्येक मतदान केंद्र पर उपस्थित उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एंजेंटों को रिकॉर्ड किए गए मतों का लेखा-जोखा प्रदान करने वाले प्रफत्र 17<sup>एफ</sup> को सौंपने के लिए बाध्य हैं, यह वैधानिक प्रावधान यथावत रहेगा। हालांकि, वोटर टर्नआउट (VTR) ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया – जो अब तक एक सहायक, गैर-वैधानिक प्रणाली के रूप में विकसित हुई थी – को अब तेज और कुशल बनाने के लिए पुनः संरचित किया जा रहा

है, ताकि मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझानों की समय पर जानकारी दी जा सके। इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी (PRO) अब मतदान दिवस पर हर दो घंटे में ECINET ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे, जिससे आंकड़ों के अद्यतन में देरी को कम किया जा सकेगा। यह जानकारी स्वचालित रूप से निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र की जाएगी। मतदान प्रतिशत के अनुमानित रुझान पूर्ववत् हर दो घंटे में प्रकाशित किए जाते रहेंगे। महत्वपूर्ण रूप से, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद, पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र छोड़ने से पहले ECINET ऐप पर आंकड़े दर्ज करेंगे। इससे देरी कम होगी और मतदान के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्रवार अनुमानित मतदान प्रतिशत VTR ऐप पर उपलब्ध हो सकेगा – बशर्ते नेटवर्क कनेक्टिविटी

उपलब्ध हो। जहाँ मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं, वहाँ आंकड़े ऑफलाइन दर्ज किए जा सकेंगे और कनेक्टिविटी मिलते ही सिंक हो जाएंगे। यह उन्नत VTR ऐप बिहार चुनावों से पहले ECINET का अभिन्न अंग बन जाएगा। पूर्व में, मतदान प्रतिशत आंकड़े सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअल एकत्र किए जाते थे और उन्हें फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग ऐप के माध्यम से रिटर्निंग अधिकारियों (ROs) तक पहुंचाया जाता था। यह जानकारी हर दो घंटे में एकत्रित कर VTR ऐप पर अपलोड की जाती थी। मतदान प्रतिशत के रुझान अक्सर घंटों बाद अपडेट होते थे, क्योंकि भौतिक रिकॉर्ड देर रात या अगले दिन तक पहुंचते थे, जिससे 4-5 घंटे या उससे अधिक की देरी होती थी और इससे कई बार भ्रम की स्थिति बनती थी। अब इससे निजात मिलेगी।